EIIRJ ISSN–2277-8721 Volume–VII, Issue–I Jan – Feb 2018

डॉ. बाबासाहब आंबेडकर के विचारों की अनुगूँज : डॉ. जयप्रकाश कर्दम की कविता

डॉ. कामायनी गजानन सुर्वे
सहयोगी प्राध्यापक, हिंदी विभाग,
महात्मा फुले महाविद्यालय, पिंपरी, पुणे (महाराष्ट्र, भारत)

• **सारांश (Abstract) :**

विश्वभूषण डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जी के मानवतावादी विचार बहुआयामी हैं। उन्होंने हिंदू धर्म की चातुर्वर्ण्यगत विषमता मिटाकर स्वतंत्रता, समता, न्याय और बंधुता के आधार पर आधुनिक भारत का नवनिर्माण किया। डॉ. आंबेडकर जी 'भारतीय संविधान के शिल्पकार' हैं। विविधतारूपी विषमता से युक्त भारतीय समाज को एक सूत्र में बाँधकर एकता एवं धर्मनिरपेक्षता को बनाए रखने का महत्कार्य भारतीय संविधान ने किया है। डॉ. आंबेडकर जी को जातिविहीन, विज्ञाननिष्ठ, ज्ञान और विवेक आधारित मानव समाज का निर्माण अपेक्षित है। अर्थशास्त्री, न्यायविद, राजनेता, समाजसुधारक, स्त्रियों और श्रमिकों के अधिकारों के रक्षक के रूप में डॉ. बाबासाहब आंबेडकर जी का योगदान मौलिक है। डॉ. आंबेडकर जी के कार्य को केवल और केवल अस्पृश्यता–निवारण के साथ जोड़ना और उन्हें केवल दलितोद्धारक कहना उनके समग्रतादर्शी विचारों के साथ अन्याय होगा। विपरीत परिस्थितियों से जूझकर, शिक्षित होकर, संघर्ष करते हुए गुलामी मिटाना उन्हें अपेक्षित है। लिंग, वंश, वर्ण, जाति जैसे किसी भी आधार पर भेदभाव करते हुए एक बड़े मानव समूह को मानव अधिकारों से वंचित रखे जाने का उन्होंने प्रखरता से विरोध किया है और स्वयंप्रकाशित बनकर अपने अधिकार स्वयं प्राप्त करने की चेतना उन्होंने बहुजनों में जगाई है। इसके परिणामस्वरूप आज 21 वीं शताब्दी में बहुजनों को शिक्षा, आत्मसम्मान तथा संघर्ष के आधार पर गुलामी और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने की ताकत प्राप्त हुई है। यही कारण है कि आज हिंदी के अनेक कवि अपनी कविताओं के माध्यम से डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर जी के,विचारों को समाज तक पहुँचा रहे हैं। डॉ. जयप्रकाश कर्दम आज के ऐसे ही सशक्त कवि हैं। उनकी कविताओं में डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के विचार प्रत्यक्ष रूप से प्रस्तुत हुए हैं। जातिभेद उन्मूलन, मनुष्य की समानता, परिवर्तन की माँग, मानव अधिकार, स्वानुभूत यथार्थ की विद्रोही अभिव्यक्ति डॉ. जयप्रकाश कर्दम की कविता की रचना–प्रक्रिया के कुछ सूत्र हैं, जिनका वैचारित धरातल 'आंबेडकरवाद' है।

• **बीज शब्दावली (Key Words) :**

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर, डॉ. जयप्रकाश कर्दम, कविता

MAHATMA PHULE MAHAVIDYALAYA PIMPRI PUNE-17